1. **В  пятницу  4-й  седмицы  Великого  Поста**
2. **Глас    8**

1. **Песнь  1**

*Ирмос:*  Колесницегони́теля  фарао́на  погрузи́  чудотворя́й  иногда́  Моисе́йский  жезл,  крестообра́зно  порази́в,  и  раздели́в  мо́ре.  Изра́иля  же  беглеца́,  пешехо́дца  спасе́,  песнь  Бо́гови  воспева́юща.

*Припев:*  Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Госпо́дню  прише́дше  днесь  Кресту́,  умо́м  чи́стым,  и  благочести́вым  ра́зумом,  прииди́те,  поклони́мся,  предлежи́т  бо,  да́руя  ему́  покланя́ющимся  освяще́ние  же  спаси́тельное,  сия́ние,  и  сла́ву,  и  ми́лость.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Живодарова́тельный  Крест  предлежа́щь,  и  зри́мый,  светови́дное  сия́ние  благода́ти  испуща́ет,  присту́пим  и  прии́мем  просвеще́ние  весе́лия,  и  спасе́ние,  и  оставле́ние,  хвалу́  Го́сподеви  принося́ще.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Предлежи́т  стра́нное  зря́щим  виде́ние,  Крест  Честны́й,  и  я́коже  исто́чник  кипи́т  Боже́ственными  дарова́нии,  и  утоля́ет  прегреше́ния,  и  боле́зни  разреша́ет,  и  мудрова́ния  укрепля́ет,  чи́сто  приходя́щим  к  нему́.

Слава:  Жезл  прообража́ше  Креста́  побе́ду,  мо́ре  секущий,  и́мже  мы  ве́рою  непотопле́нно  препла́ваем  жити́я  во́ду  непостоя́нную,  и  то́ков  всех  греха́  избега́ем,  и  Боже́ственныя  тишины́  исполня́емся:

И  ныне:  Егда́  Тя,  Ча́до,  неизрече́нно  роди́х,  боле́зней  избего́х,  и  ка́ко  ны́не  вся  боле́зней  исполня́юся?  Ви́жду  бо  Тя  ви́сима  я́ко  злоде́я  на  Дре́ве,  зе́млю  несдержа́нно  пове́сившаго,  глаго́лаше  Всесвята́я,  пла́чущи.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  3**

*Ирмос:*  Утвержде́й  в  нача́ле  небеса́  ра́зумом,  и  зе́млю  на  вода́х  основа́вый,  на  ка́мени  мя,  Христе́,  за́поведей  Твои́х  утверди́,  я́ко  несть  свят,  па́че  Тебе́́,  еди́не  Человеколю́бче.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Крест  всех  благи́х  пода́тельный,  зри́тся  покланяе́мый,  и  вся  тварь  пра́зднует  в  ра́дости,  просвеща́ема  благода́тию,  на  нем  во́лею  возне́сшагося  Бо́га  на́шего.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Осиява́еми  све́том  кре́стных  луч,  преполове́нием  свяще́ннаго  воздержа́ния,  омраче́ния  грехо́в  убежи́м,  и  возопии́м:  просвеще́ние  всех,  Благоутро́бне  Го́споди,  сла́ва  Тебе́.

Слава:  Песносло́вим  тя,  Кре́сте,  и  облобыза́ем  ве́рою  прося́ще,  твои́м  могу́тством  изми́  нас  от  сете́й  вра́жиих,  и  упра́ви  ны  вся  к  приста́нищу  спасе́ния,  почита́ющия  тя.

И  ныне:  Умерщвле́ну  жизнь  на  Кресте́  зря́щи,  и  не  терпя́щи  боле́зни  утро́б,  рыда́ше  чи́стая  Де́ва,  взыва́ющи:  увы́́  Мне,  Сы́не  Мой,  что  Тебе́  наро́д  беззако́нный  воздаде́?

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

Го́споди  поми́луй.  *(Трижды.)*

1. **Седален,  глас  6**

То́кмо  водрузи́ся  Дре́во,  Христе́,  Креста́  Твоего́,  основа́ния  поколеба́шася  сме́рти,  Го́споди;  Его́же  бо  поглоти́  жела́нием  ад,  отпусти́  тре́петом.  Яви́л  еси́  нам  спасе́ние  Твое́,  Святы́й,  и  славосло́вим  Тя,  Сы́не  Бо́жий,  поми́луй  нас.

Слава:  Крест  Твой,  Го́споди,  освяти́ся,  в  нем  бо  быва́ют  исцеле́ния  боля́щим  во  гресе́х;  и́мже  Тебе́  припа́даем,  поми́луй  нас.

И  ныне:  Днесь  проро́ческое  испо́лнися  сло́во:  се  бо  покланя́емся  на  ме́сто,  иде́же  стоя́сте  но́зе  Твои́,  Го́споди.  И  Дре́во  спасе́ния  прие́мше,  грехо́вных  страсте́й  свобо́ду  получи́хом,  моли́твами  Богоро́дицы,  еди́не  Человеколю́бче.

1. **Песнь  4**

*Ирмос:*  Ты  моя́  кре́пость,  Го́споди,  Ты  моя́  и  си́ла,  Ты  мой  Бог,  Ты  мое́  ра́дование,  не  оста́вль  не́дра  Отча,  и  на́шу  нищету́  посети́в.  Тем  с  проро́ком  Авваку́мом  зову́  Ти:  си́ле  Твое́й  сла́ва,  Человеколю́бче.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Держа́вный  покро́в  же  и  исправле́ние  челове́ком,  непреобори́мое  ору́жие  ве́ры,  Крест  спаси́тельный  се  зри́тся  предлежа́щий,  и  всех  сердца́  ве́рно  приходя́щих  освяща́ет,  просвеща́ет  благода́тию.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

В  преполове́ние  воздержа́ния  предлежа́щий,  посреде́  всех  преблаги́й  Кре́ст  Честны́й  среди́  земли́,  на  не́мже  возне́слся  еси́  во́лею,  Человеколю́бче,  мир  освяща́ет  свои́м  поклоне́нием,  и  прогоня́ет  де́монския  полки́.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Не́бо  и  вся  земля́  свесели́тся,  страстоте́рпцы,  му́ченицы,  апо́столи,  ду́ши  пра́ведных  ра́достно  ны́не  ра́дуются,  вся  спасаю́щее  ви́дяще,  предлежа́щее  посреде́  Богодарова́нное  Дре́во,  и  ве́рныя  освяща́ющее  благода́тию.

Слава:  Зако́ны  Твоя́,  Го́споди,  безсо́вестный  не  сохрани́в,  и́мам  осуди́тися,  егда́  прии́деши  с  небесе́  суди́ти  челове́ческая  дела́,  отону́дуже  зову́  Тебе́:  си́лою  Креста́  Твоего́  обрати́в  мя  спаси́,  пока́яния  подая́  ми  сле́зы.

И  ныне:  Из  де́вственныя,  Ча́до,  утро́бы  Тя  роди́х,  и  зря́щи  на  Дре́ве  Тя  ви́сима  недоумева́юся,  и  не  пое́млю  высоты́  та́инства,  и  глубины́  вели́ких  суде́б  Твои́х,  Всечи́стая  вопия́ше;  Юже  гла́сы  немо́лчными,  я́ко  Ма́терь  Бо́жию,  ублажа́ем.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  5**

*Ирмос*:  Вску́ю  мя  отри́нул  еси́  от  лица́  Твоего́,  Све́те  незаходи́мый,  и  покры́ла  мя  есть  чу́ждая  тьма  окая́ннаго?  Но  обрати́  мя,  и  к  све́ту  за́поведей  Твои́х  пути́  моя́  напра́ви,  молю́ся.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Воскли́кните  язы́цы,  воспо́йте,  и  по́йте,  коле́на  взыгра́йте  Бо́гу,  да́вшему  Крест,  непоколеби́мое  утвержде́ние;  того́  ны́не  во  вре́мя  воздержа́ния  наслажда́емся,  пита́юще  ду́шу  и  помышле́ние.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Умная  во́инства  тя  вся  почита́ют,  Кре́сте  всесвяты́й,  и  челове́цы  бре́нными  каса́ющеся  тебе́  устна́ми  днесь,  почерпа́ем  любо́вию  освяще́ние  и  благослове́ние,  на  Тебе́  пригво́ждшагося  сла́вяще.

Слава:  Души́  моея́  стра́сти  исцели́  вре́менныя,  благоутро́бне  Го́споди,  и  покло́нника  мя  святы́х  страсте́й  Твои́х  сподо́би,  вре́менем  поста́  лу́чша  мя  покажи́,  и  злых  удале́ние  да́руй,  Преблаги́й.

И  ныне:  На  Кресте́  зря́щи,  бла́гости  ра́ди  от  Тебе́,  Всенепоро́чная,  па́че  ума́  Ро́ждшася,  уязвля́лася  еси́  утро́бами,  и  глаго́лала:  увы́  Мне,  Боже́ственное  Ча́до,  ка́ко  о  всех  боле́знуеши?  Покланя́юся  Твоему́  благоутро́бию,  Го́споди.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  6**

*Ирмос:*  Очи́сти  мя,  Спа́се,  мно́га  бо  беззако́ния  моя́,  и  из  глубины́  зол  возведи́,  молю́ся:  к  Тебе́  бо  возопи́х,  и  услы́ши  мя,  Бо́же  спасе́ния  моего́.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Кресту́  водрузи́вшуся  на  земли́,  де́моном  паде́ние  бысть;  его́же  ны́не  зря́ще  мы  пресла́вно  предлежа́ща,  и  лобыза́юще,  от  паде́ний  грехо́вных  востае́м.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Вознося́ще  Тя  Христа́,  я́ко  Царя́  и  Го́спода,  его́же  дарова́л  еси́  нам  Крест,  сте́ну  неруши́мую,  облобыза́им,  преполове́нием  Боже́ственнаго  воздержа́ния  веселя́щеся.

Слава:  Ве́лия  всем  нам  дарова́ния  подая́,  Госпо́день  Крест  зри́тся  предлежа́щий,  присту́пим,  челове́цы,  просвеще́ние  се́рдца  и  души́  почерпе́м.

И  ныне:  Пости́тися  нам,  Чи́стая,  от  зло́бы  вся́кия  укрепи́,  и  злых  и  лука́вых  воздержа́тися  дея́ний,  при́сно,  воспомога́й,  предста́тельство  всех  челове́ков  су́щая.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

Го́споди  поми́луй.  *(Трижды.)*  Сла́ва,  и  ны́не.

1. **Кондак,  глас  7**

Не  ктому́  пла́менное  ору́жие  храни́т  врат  Еде́мских,  на  ты́я  бо  на́йде  пресла́вный  соу́з  Дре́во  Кре́стное,  сме́ртное  жа́ло,  и  а́дова  побе́да  прогна́ся.  Предста́л  бо  еси́,  Спа́се  мой,  вопия́  су́щим  во  а́де:  вни́дите  па́ки  в  рай.

1. **Икос**

Три  кресты́  водрузи́  на  Голго́фе  Пила́т,  два  разбо́йников,  и  еди́н  Жизнода́вца.  Его́же  ви́де  ад,  и  рече́  су́щим  до́ле:  о  слу́ги  мои́,  и  си́лы  моя́!  Кто  водрузи́в  гво́здие  в  се́рдце  мое́,  древяны́м  мя  копие́м  внеза́пу  прободе́?  И  растерза́юся,  вну́тренними  мои́ми  болю́,  утро́бою  уязвля́юся,  чу́вства  моя́  смуща́ют  дух  мой,  и  понужда́ются  изрыга́ти  Ада́ма,  и  су́щия  от  Ада́ма,  дре́вом  да́нныя  ми;  Дре́во  бо  сия́  вво́дит  па́ки  в  рай.

1. Песнь  7

*Ирмос:*  Бо́жия  снисхожде́ния  огнь  устыде́ся  в  Вавило́не  иногда́.  Сего́  ра́ди  о́троцы  в  пещи́  ра́дованною  ного́ю,  я́ко  во  цве́тнице  лику́юще  поя́ху:  благослове́н  еси́,  Бо́же  оте́ц  на́ших.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Време́н  вы́шший,  во  вре́мени  плоть  нося́й  явля́ется,  и  вре́менныя  стра́сти  на́ша  исцеля́ет  бла́гости  ра́ди,  во  вре́мя  воздержа́ния,  в  не́же  предлежи́т  Боже́ственный  сей  Крест,  освяща́яй  нас.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Пое́м,  сла́вим,  и  покланя́емся,  и  велича́ем  Твою́,  Го́споди,  Держа́ву,  я́ко  пода́л  еси́  нам,  рабо́м  Твои́м,  Крест  Боже́ственный,  наслажде́ние  неиждива́емое,  и  храни́теля  душ  и  теле́с  на́ших.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Не  покажи́  мя,  Го́споди,  в  день  испыта́ния  злы́ми  уничиже́на,  не  отри́ни  от  лица́  Твоего́  посра́млена,  но  уще́дри,  спаси́  мя  Твои́м  Честны́м  Кресто́м,  я́ко  Преблаги́й.

Слава:  Прообразова́ше  благода́ть  Твою́,  Кре́сте,  услажда́яй  Моисе́й  во́ды  горча́йшия  дре́вом;  и́бо  го́рести  страсте́й  изба́вихомся  Твое́ю  си́лою.  Те́мже  ны  услади́,  целу́ющия  тя  ны́не  во  умиле́нии  душе́внем.

И  ныне:  Ума́  моего́  тесноту́  Твое́ю  моли́твою  расшири́,  Влады́чице,  стесни́вшая  вся  наве́ты  борца́,  и  путе́м  мя  те́сным  наста́ви,  к  простра́нству  жития́  ити́,  Ма́ти  Бо́жия.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  8**

*Ирмос:*  Седмери́цею  пещь  халде́йскии  мучи́тель  богочести́вым  неи́стовно  разжже́,  си́лою  же  лу́чшею  спасе́ны  сия́  ви́дев,  Творцу́  и  Изба́вителю  вопия́ше:  о́троцы,  благослови́те,  свяще́нницы,  воспо́йте,  лю́дие,  превозноси́те  во  вся  ве́ки.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Дре́вом  иногда́  извлече́  от  реки́  секи́ру  Боже́ственный  Елисе́й,  преднаписа́в  тя  издале́ча,  Кре́сте  всечестны́й;  от  глубины́  бо  пре́лести  тобо́ю  к  ве́ре  возве́дшеся  изве́стнее,  дне́шний  день  сподобля́емся  ви́дети,  и  ве́рою  покланят́ися  Тебе́,  объе́млюще  спасе́ние.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Подзна́менова  издале́ча  тебе́,  Кре́сте  всечестны́й,  в  благослове́ниих  Иа́ков  явле́ннее;  мы  же  в  благода́ти  удосто́ившеся  ви́дети  тя,  ве́рою  несумне́нною  приступа́ем  вси,  и  каса́ющеся  бога́тное  благослове́ние  объе́млем,  и  свет,  и  спасе́ние,  и  прегреше́ний  разреше́ние.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Убели́вшеся  дея́ньми  доброде́тельными,  присту́пим  воздержа́ния  преполове́нием  веселя́щеся,  и  облобыза́им  ве́рою  Госпо́день  Крест;  я́ко  да  того́  управля́еми  си́лою,  соверши́м  тече́ние  в  до́бром  произволе́нии,  и  дости́гнем  Боже́ственную  осиява́еми  страсть.

Слава:  Единоесте́ственна,  собезнача́льна,  соприсносу́щна,  сопресто́льна,  естество́  у́бо  про́стое,  раздели́тельное  же  ли́цы,  Отца́  нерожде́нна,  Сы́на,  и  Ду́ха  Свята́го,  несозда́нное  существо́  и  Божество́  вси  воспева́юще,  пое́м:  свяще́нницы,  благослови́те,  лю́дие,  превозноси́те  во  вся  ве́ки.

И  ныне:  Ны́не  я́ко  Агнца  незло́биваго  зрю  Тя  ви́сяща,  и  от  беззако́нных  Кресту́  пригвожда́ема,  Сы́не  Мой  пребезнача́льный,  рыда́ньми  терза́юся,  и  ма́терскими  одержи́ма  есмь  боле́зньми,  Всечи́стая  вопия́ше.  Юже  гла́сы  немо́лчными  пои́м  по  до́лгу  во  вся  ве́ки.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.

1. **Песнь  9**

*Ирмос:*  Ужасе́ся  о  сем  не́бо  и  земли́  удиви́шася  концы́,  я́ко  Бог  яви́ся  челове́ком  пло́тски,  и  чре́во  Твое́  бысть  простра́ннейшее  небе́с.  Тем  Тя,  Богоро́дицу,  Ангелов  и  челове́к  чинонача́лия  велича́ют.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Исцели́л  еси́,  Преблаги́й,  мое́  сокруше́ние,  на  Кресте́  пригвожда́емь  гвоздьми́  иногда́,  рука́ма  Твои́ма  и  нога́ма,  Всецарю́,  и  в  ре́бра  пробода́емь,  о́цтом  напа́яемь  и  же́лчию,  всех  весе́лие,  сла́дости  сла́во,  ве́чное  избавле́ние.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Красе́н  па́че  сапфи́ра  и  зла́та,  светоза́рен  я́ко  со́лнце  еси́,  Боже́ственный  Кре́сте;  лежа́  у́бо  ме́стом  опи́сан,  и  у́мными  си́лами  всю́ду  окружа́емь  стра́шно,  луча́ми  же  Боже́ственными  Твоея́  си́лы,  просвеща́яй  вселе́нныя  исполне́ния.

Сла́ва,  Го́споди,  Кресту́  Твоему́  Честно́му.

Крест  обурева́емых  есть  приста́нище,  наста́вник  заблужда́ющих  и  утвержде́ние,  сла́ва  Христо́ва,  си́ла  апо́столов  и  проро́ков,  по́стников  держа́ва,  всех  челове́ков  прибе́жище.  Того́  посреде́  предлежа́ща  вси  зря́ще,  воздержа́нием  лобыза́им.

Слава:  Егда́  и́маши  приити́  на  зе́млю  суди́ти  ми́ру,  его́же  созда́л  еси́,  Го́споди,  а́нгельским  предъиду́щим  Твои́м  во́инством,  и  Кресту́  просиява́ющу  па́че  заре́й  со́лнечных.  Того́  могу́тством  уще́дри  мя,  и  спаси́  па́че  всех  челове́ков  прегреши́вшаго.

И  ныне:  Тле́ния  Тя  кроме́  роди́х  из  чре́ва,  пре́жде  век  Его́же  Оте́ц  роди́,  и  ка́ко  тле́еши?  Челове́цы  терза́ют  Тя,  Сы́не,  и  ре́бра  ископова́ют  копие́м,  и  ру́це  с  нога́ма  пригвожда́ют  безчелове́чно,  Всечи́стая  вопия́ше.  Юже  досто́йно  велича́ем.

Спаси́  от  бед  раби́  Твоя́,  Влады́ко  Многоми́лостиве,  си́лою  Честна́го  и  Животворя́щаго  Креста́  Твоего́,  я́ко  мы  усе́рдно  к  Тебе́  прибега́ем,  ми́лостивому  Влады́це,  Го́споду  Иису́су.